पाठ 6 देखो, जंगल अजब निराला

देखो जंगल अजब निराला।
पर्यावरण का यह रखवाला ।।

हाथी, चीता, शेर, बघेरा।
काग, कपोत, बटेर का फेरा
अलग–अलग है इनकी बोली
न्यारी–न्यारी है इनकी टोली।।

भालू, सियार, हरिण व घोड़ा
चिड़िया, मैना, शुक, कठफोड़ा।।

अलग–अलग है इनके रंग
अजब अनूठे इनके ढ़ंग
साँप, छछुंदर, मगर, छिपकली
मच्छर, चींटी, मक्खी, तितली

अलग–अलग है इनकी चाल
जंगल में करते कमाल–धमाल।।

देखो जंगल अजब निराला।
पर्यावरण का यह रखवाला ।।

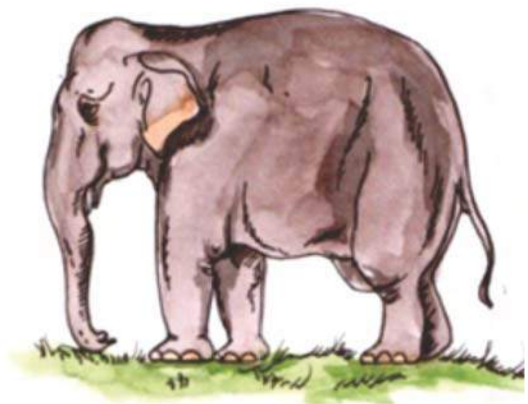

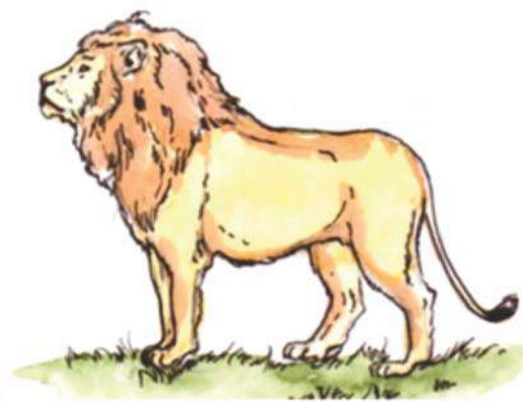

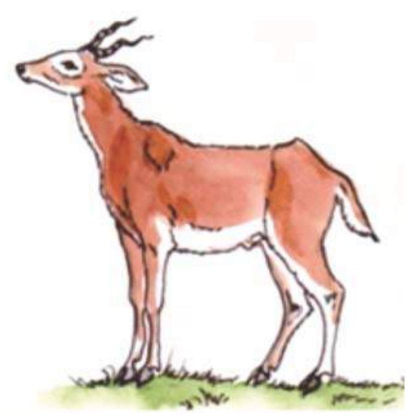

चित्र 6.1 (अ) जंगल के जीव–जन्तु

जानिए

शुक–तोता

काग–कौआ

कपोत–कबूतर

चित्र 6.1 (ब) जंगल के जीव–जन्तु

सोचिए और लिखिए

इस कविता में कौन–कौनसे जीव–जंतु आए हैं? इनके नाम लिखिए।

____

____

अंतर पहचानिए

- हाथी, चीता, शेर एवं बघेरा इनमें से आकार के आधार पर कौन अलग है ?
- भालू, सियार, हिरण व घोड़ा इनमें से कौन पालतू हैं?
- चिड़िया, मैना, शुक, कठफोड़वा में से कौन घोंसला नहीं बनाते हैं?
- साँप, छछुंदर, मगरमच्छ एवं छिपकली इनमें से कौन रेंगने वाला नहीं है?

- मच्छर, कनखजूरा, मक्खी एवं तितली इनमें से कीट पंतगों के आधार पर कौन अलग है?

जानवरों का संसार बहुत बड़ा है। इनमें कई विशाल तो कई छोटे जानवर हैं जो जल, थल व नभ में पाए जाते हैं। प्रत्येक के रुप, रंग व आकार अलग–अलग होते हैं।

तीन–तीन जीव–जंतुओं के नाम लिखिए जो

- रात में देख सकते हैं। ------ ------ ------
- जो हमारे घरों में हमारे साथ रहते हैं। ------ ------ ------
- जिनसे हमें दूध मिलता है। ------ ------ ------
- जो घास खाते हैं। ------ ------ ------
- जो माँस खाते हैं। ------ ------ ------
- जो कीड़े–मकोड़े व कीट पंतगे खाते हैं। ------ ------ ------
- जो अनाज के दाने खाते हैं। ------ ------ ------
- जिन्हें हम पालते हैं। ------ ------ ------
- जिनके दाँत नहीं होते हैं ? ------ ------ ------

जीव–जंतुओं का भोजन

वे जीव–जंतु जो केवल पेड़–पौधों से प्राप्त सामग्री को भोजन के रूप में काम में लेते हैं, उन्हें शाकाहारी कहते हैं। आपने बिल्ली को चूहे या पक्षियों का शिकार करते भी देखा होगा। वह इनका माँस खाती है। जंगली जंतु जैसे– शेर, चीता, गीदड़ आदि शाकाहारी हिरण, खरगोश आदि का शिकार

करते हैं। वे इन्हें मार कर इनका माँस खाते हैं। माँस खाने वाले जंतु माँसाहारी कहलाते हैं। कुछ जीव–जंतु पेड़–पौधों से प्राप्त सामग्री के साथ–साथ माँस भी खाते हैं, इन्हें सर्वाहारी जंतु कहते हैं जैसे – कौआ, भालू आदि।

चित्र 6.2 विभिन्न प्रकार के जीव–जंतु भोजन करते हुए

पता कीजिए और लिखिए

नीचे दी गई तालिका में किन्ही पाँच जीव–जंतुओं के नाम व उनके द्वारा किए जाने वाले भोजन के बारे में लिखिए।

क्र.सं.	जीव–जन्तु का नाम	इनके द्वारा खाया जाने वाला भोजन
1	....	....
2	....	....
3	....	....
4	....	....
5	....	....

सोचिए और लिखिए

- जमीन पर पाए जाने वाले जानवर के नाम

  ____

  ____

  ____

- पानी में पाए जाने वाले जानवर के नाम

  ____

  ____

  ____

- जमीन और पानी दोनों में पाए जाने वाले जानवर के नाम

  ____

  ____

- **जलीय आवास** :– जहाँ आस–पास संपूर्ण रूप से जल हो उसे जलीय आवास कहते हैं। इस आवास में रहने वाले पौधे और जंतु जल में ही अपना जीवन–यापन करते हैं। जैसे – मछली और कमल।
- **स्थलीय आवास** :– हम जिस आवास में रहते हैं वह स्थलीय आवास है। इस आवास में वायु, प्रकाश इत्यादि पर्याप्त मात्रा में होता है। ये आवास वातावरण के आधार पर अनेक प्रकार के हो सकते हैं। जहाँ बर्फ हो व सर्दी अधिक रहे, उसे शीत आवास कहते हैं। इसी तरह जहाँ जल की कमी हो, उसे सूखा या शुष्क आवास कहते हैं। इसी प्रकार जहाँ वातावरण में पर्याप्त जल व अनुकूल ताप हो, उसे सम आवास कह सकते हैं।

पता कीजिए और लिखिए

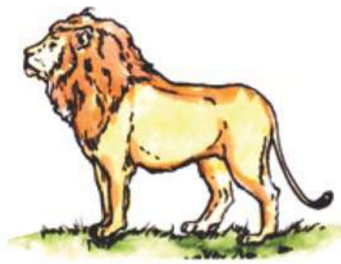

आवास .... आवास .... आवास ....

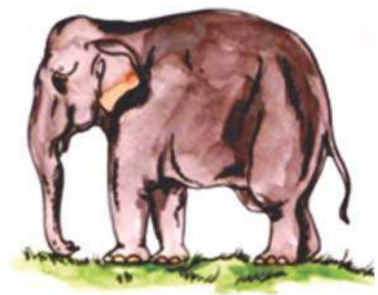

आवास .... आवास .... आवास ....

चित्र 6.3 जीव–जंतुओं के आवास

- अपने क्षेत्र में पाए जाने वाले जीव जंतुओं के आवास व भोजन की सूची बनाइए।

शिक्षक निर्देश – शिक्षक विद्यार्थियों को स्थानीय क्षेत्र में पाए जाने वाले जीव जंतुओं की जानकारी दें।

हमने सीखा

- प्रत्येक जीव–जन्तु रूप रंग व आकार के आधार भिन्न–भिन्न होते हैं।
- जो जीव–जंतु केवल पेड़–पौधों से प्राप्त सामग्री को भोजन के रूप में लेते हैं, वे शाकाहारी जंतु कहलाते है। जैसे– गाय, भैंस, बकरी, खरगोश आदि।
- जो जीव–जंतु केवल माँस का ही भोजन करते हैं, वे माँसाहारी जंतु कहलाते हैं। जैसे– शेर, चीता, भेड़िया आदि।
- जो जीव–जंतु पेड़–पौधें एवं माँस दोनों प्रकार का भोजन करते हैं। वे सर्वाहारी कहलाते हैं। जैसे–मनुष्य, कौआ, भालू आदि।
- जीव–जंतु जल, थल व नभ में पाए जाते हैं।
- आवास के आधार पर जीव–जंतु अनुकूलित होते हैं।

जंगल से ही हरियाली है,
हर घर आँगन खुशहाली है।